3

बगुला भगत

• कहानी •

मछलियाँ	धूर्त	दुष्ट	भीषण	चिंतित	मृत्यु
विश्वास	सुंदरता	वर्णन	चट्टान	हड्डियाँ	दर्द

एक तालाब में बहुत-सी मछलियाँ, मेंढक, केकड़े आदि रहते थे। उसी तालाब के किनारे एक बूढ़ा परंतु धूर्त और दुष्ट बगुला रहता था।

एक बार बहुत भीषण गरमी पड़ी। अत्यधिक गरमी के कारण उस तालाब का पानी सूखना आरंभ हो गया। बगुले ने तालाब की मछलियों को खाकर अपना पेट भरने का एक उपाय सोचा। वह तालाब के किनारे साधु का वेश बनाकर बैठ गया। तालाब की मछलियों ने बगुले को बहुत उदास देखा, तो वे उसका कुशल पूछने आ गईं।

"मामा, क्या बात है? आज बहुत चिंतित दिख रहे हो?"

"बस तुम लोगों की ही चिंता में हूँ।"

"हमारी चिंता में? भला क्यों?"

"इस तालाब का पानी निरंतर सूखता जा रहा है। यदि जल्दी ही कुछ न किया, तो तुम सब मृत्यु के मुँह में चली जाओगी।"

"तो अब हम क्या करें, मामा? तुम्हीं कोई उपाय बताओ न!" मछलियों ने घबराकर कहा।

"बस अब एक ही उपाय है। यहाँ से थोड़ी दूर एक अन्य तालाब है। मैं एक-एक करके तुम्हें वहाँ पहुँचा दूँगा।"

"लेकिन मामा! इस दुनिया में आज तक कोई बगुला ऐसा नहीं हुआ जिसने मछलियों की भलाई के बारे में सोचा हो। हम तुम पर किस तरह विश्वास कर लें?"

बगुले ने अब अपनी चाल चली—"तुम ठीक कहती हो। जिस तरह एक गंदी मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है, उसी तरह एक बगुले ने सारे बगुला समाज को बदनाम कर दिया है। तुम लोग किसी एक मछली को मेरे साथ भेज दो। मैं उसे वह तालाब दिखा लाऊँगा। तुम उससे पूछ लेना। यदि विश्वास हो जाए, तो तुम सब एक-एक कर मेरे साथ चल पड़ना।"

सभी मछलियों को बगुले का यह सुझाव बहुत पसंद आया। उनमें से एक मछली बगुले के साथ जाने के लिए तैयार हो गई। बगुला उसे लेकर दूसरे तालाब की ओर चल दिया। थोड़ी देर में बगुला उस मछली को तालाब दिखाकर वापस ले आया। मछली ने तालाब की सुंदरता का वर्णन अन्य मछलियों से किया। इससे सभी मछलियाँ उस तालाब पर जाने को तैयार हो गईं।

अब बगुला रोज़ उस तालाब में से एक मछली ले जाता और दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान पर बैठकर उसे मारकर खा जाता। इस तरह वह तालाब की सारी मछलियाँ चट कर गया। उस चट्टान के पास मछलियों की हड्डियों का ढेर लग गया।

अब तालाब में केवल एक केकड़ा बचा था। बगुला उसे भी खाना चाहता था। केकड़ा चालाक था। वह बोला, "मैं तुम्हारी चोंच में दबकर नहीं चल सकता। मैं तो तुम्हारी पीठ पर बैठकर चलूँगा।"

बगुले ने सोचा—तू किसी तरह चट्टान तक तो चल। फिर तो मैं तुझे भी खा जाऊँगा। इस तरह उसने केकड़े की बात मान ली।

बगुला अपनी पीठ पर केकड़े को बैठाकर जब चट्टान के पास पहुँचा, तब केकड़ा मछलियों की हड्डियों का ढेर देखकर सारा मामला समझ गया। उसने बगुले की गरदन में अपने तेज़ पंजे गड़ा दिए और बोला—"दुष्ट, तू मुझे सीधी तरह तालाब पर ले चल, नहीं तो गरदन दबा दूँगा।"

बगुला दर्द से कराह उठा। वह केकड़े को चुपचाप तालाब पर ले गया। केकड़े ने कहा—"अब तुझे अपनी करनी का फल भी मिलना चाहिए।" उसने अपने तेज़ पंजों से बगुले की गरदन दबाकर उसे मार दिया। केकड़ा तालाब के पानी में चला गया। केकड़ा जाते-जाते बोला—"धूर्त और दुष्ट व्यक्तियों को एक-न-एक दिन अपने किए कार्यों की सजा अवश्य मिलती है।

शब्दकोश

धूर्त – कपटी। **दुष्ट** – बुरा। **भीषण** – भयंकर। **उपाय** – तरकीब, तरीका। **उदास** – दुखी। **चिंता** – फिक्र। **निरंतर** – लगातार। **बदनाम** – कुख्यात। **सुझाव** – प्रस्ताव। **चट करना** – खा जाना। **चालाक** – होशियार। **दर्द** – पीड़ा।

विशेष : **मानक वर्तनी के प्राचीन एवं नवीन रूप**

परन्तु	– परंतु	दुष्ट	– दुष्ट	गर्मी	– गरमी	आरम्भ	– आरंभ
चिन्तित	– चिंतित	निरन्तर	– निरंतर	गन्दा	– गंदा	पसन्द	– पसंद
चट्टान	– चट्टान	हड्डियाँ	– हड्डियाँ	गर्दन	– गरदन	पञ्जा	– पंजा

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: समेटिव असेसमेंट

क. बगुले ने अपनी उदासी का मछलियों को क्या कारण बताया? _____

_____

ख. बगुले ने मछलियों से अपनी सफाई में क्या कहा? _____

_____

ग. चट्टान के पास पहुँचने पर केकड़े ने क्या देखा? _____

_____

घ. अंत में केकड़े ने बगुले को किस तरह सबक सिखाया? _____

_____

2. सही विकल्प के आगे ✓ लगाइए:

क. तालाब के सूखने का क्या कारण था?

अत्यधिक गरमी ☐ वर्षा का न होना ☐ अत्यधिक सरदी ☐

ख. तालाब के किनारे बगुला किसका वेश बनाकर बैठ गया?

ब्राह्मण का ☐ साधु का ☐ भिखारी का ☐

ग. केकड़ा कैसा जीव था?

मूर्ख ☐ दुष्ट ☐ चालाक ☐

MCQs

4. कहानी क्रम के आधार पर सही क्रमांक लिखिए:

☐ धूर्त और दुष्ट व्यक्तियों को एक-न-एक दिन अपने किए कार्यों की सजा ज़रूर मिलती है।

☐ चट्टान के पास मछलियों की हड्डियों का ढेर लग गया।

☐ बगुला दर्द से कराह उठा। वह केकड़े को चुपचाप तालाब पर ले गया।

☐ अत्यधिक गरमी के कारण तालाब का पानी सूखना आरंभ हो गया।

☐ बगुला एक मछली को लेकर दूसरे तालाब की ओर चल दिया।

☐ मैं तुम्हारी चोंच में दबकर नहीं चल सकता। मैं तुम्हारी पीठ पर बैठकर चलूँगा।

☐ मछलियाँ धूर्त बगुले की चाल में आ गईं।

भाषा एवं व्याकरण

1. बहुवचन रूप लिखिए:

मछली – _____ हड्डी – _____ कली – _____ नदी – _____

बगुला – _____ केकड़ा – _____ कमरा – _____ पंखा – _____

2. सही विलोम शब्द के आगे ✓ लगाइए:

गरमी	➤ ठंडा ☐	सरदी ☐		दिन	➤ रात ☐	दिवस ☐
दूर	➤ निकट ☐	पास ☐		मृत्यु	➤ मौत ☐	जीवन ☐
भला	➤ बुरा ☐	भलाई ☐		उदास	➤ प्रसन्न ☐	उदासी ☐
ठीक	➤ सही ☐	गलत ☐		धीरे	➤ धीमा ☐	तेज़ ☐

M C Qs

3. दिए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:

बगुला – _____ धर्म – _____

केकड़ा – _____ शर्म – _____

मछली – _____ चर्म – _____

4. इन शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:

भीषण – _____ _____

उपाय – _____ _____

सुझाव – _____ _____

रचनात्मक अभ्यास

1. मौखिक उत्तर दीजिए: फॉरमेटिव असेसमेंट

क. तालाब में कौन-कौन से जीव रहते थे?

ख. बगुले ने अपना पेट भरने का क्या उपाय सोचा?

ग. बगुला मछलियों का क्या करता था?

घ. केकड़े ने अपनी जान किस प्रकार बचाई?

2. समुद्र, नदी, तालाब या झील में तरह-तरह की मछलियाँ देखने को मिलती हैं। कुछ विशेष प्रकार की मछलियों के चित्र एकत्र कर स्क्रैप बुक में लगाइए तथा उनको नामांकित भी कीजिए।